

T+0 नपिटान चक्र

[स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस](#)

हाल ही में [बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज \(BSE\)](#) और [नेशनल स्टॉक एक्सचेंज \(NSE\)](#) ने वैकल्पिक आधार पर इक्विटी सेगमेंट में नपिटान चक्र के T+0 बीटा संस्करण में कारोबार शुरू किया।

- यह [भारतीय प्रतभिता और वनियम बोर्ड \(SEBI\)](#) द्वारा छोटी अवधि के नपिटान चक्र के शुभारंभ के लिये परचालन दशा-नरिदेश जारी करने के बाद आया है।

नोट

शब्द "बीटा संस्करण" सॉफ्टवेयर या उत्पाद के पूर्व-रलीज़ संस्करण को संदर्भित करता है जो अभी भी परीक्षण चरण में है।

- बीटा संस्करणों में कुछ वशिषताएँ शामिल हो सकती हैं जो अभी भी वकिस में हैं या अभी तक पूरी तरह कार्यात्मक नहीं हो सकती हैं और वे प्रायः अंतमि रलीज़ से पहले उपयोगकर्त्ता की प्रतक्रिया के आधार पर और अधिक परशिोधन के अधीन होते हैं।

SPEEDING UP BOTH BUYING & SELLING



Buy: Stocks are delivered | Sell: Funds are credited

- A successful settlement is where **buyer gets the stock and seller gets the money smoothly**. Intermediaries include brokers and clearing corps of exchanges
- With T+0, money & stocks can be circulated more frequently, leading to **higher trading volumes**

- Less money will remain idle. **Faster settlement** means the system will carry lower risk
- India, which fully shifted to T+1 in Jan 2023, **could move ahead of developed markets**, some of which are struggling to move to a **T+1 system** from T+2

T+0 ट्रेडिंग नपिटान चक्र क्या है?

परिचय:

- दिसंबर 2023 में, SEBI ने मौजूदा **T+1 नपिटान चक्र** के अलावा, वैकल्पिक आधार पर T+0 (उसी दिन) पर धन और प्रतभूतियों के समाशोधन तथा नपिटान के लिये एक सुविधा शुरू करने का प्रस्ताव रखा।
- T+0 व्यापार चक्र** के अंतर्गत, ट्रेडों का नपिटान T+0 बाजार बंद होने के बाद उसी दिन होगा।
 - इसका अर्थ यह है कि अगर नविशक कोई शेयर बेचते हैं, तो उन्हें **उसी दिन उनके खाते में पैसा जमा** हो जाएगा और साथ ही खरीदार को भी लेन-देन के दिन ही उनके डीमैट खाते में शेयर मलि जाएंगे।
- यह वशिव की सबसे तेज़ स्टॉक सेटलमेंट प्रणाली है।
 - इसकी तुलना में, **वर्तमान टी+1 प्रणाली में व्यापार नपिपादन तथि एवं नपिटान तथि के बीच एक कार्यदविस की देरी** शामिल है।
 - इस प्रणाली में, वकिरेताओं को बकिरी के दिन केवल 80% नकदी प्राप्त होती है, शेष 20% अगले दिन उपलब्ध होती है।
 - हालाँकि, नई T+0 नपिटान प्रणाली की शुरुआत के साथ वकिरेताओं को लेन-देन के दिन अपनी 100% नकदी तक तुरंत पहुँच प्राप्त होगी, जिससे शेष राशि के लिये अगले दिन की प्रतीक्षा करने की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी।

लाभ:

- एक **छोटा नपिटान चक्र नविशकों के लिये** लागत एवं समय दक्षता, शुल्क में पारदर्शिता के साथ ही समाशोधन नगिमों तथा समग्र प्रतभूत बाजार पारस्थितिकी तंत्र में जोखमि प्रबंधन को मज़बूत करेगा।
- T+0 व्यापार चक्र से **वकिरेताओं को प्रतभूतियों के वरिद्ध नधियों के तेज़ी से भुगतान एवं खरीदारों को नधियों के वरिद्ध प्रतभूतियों के तीव्र भुगतान** के मामले में अधिक लचीलापन प्रदान करने की आशा है।
- इससे नविशकों को धन और प्रतभूतियों पर बेहतर नियंत्रण मलिंगा।
- प्रतभूत बाजार पारस्थितिकी तंत्र के लिये **एक छोटा नपिटान चक्र प्रतभूत बाजार में पूंजी को और मुक्त कर देगा**, जिससे समग्र बाजार दक्षता में वृद्धि होगी।
- यह क्लियरिंग कॉरपोरेशन (Clearing Corporation- CC) के समग्र जोखमि प्रबंधन को बढ़ाएगा क्योंकि ट्रेडों को अग्रिम नधि और प्रतभूतियों द्वारा समर्थति कयिा जाता है।

नपिटान के चरण:

- T+0 नपिटान चक्र के दो चरण होंगे।
- दोपहर 1:30 बजे तक कयि गए **चरण 1 के सौदों** को नपिटान हेतु ध्यान में रखा जाएगा, जसि शाम 4:30 बजे तक समाप्त करना होगा।
- दूसरे चरण में ट्रेडिंग दोपहर 1:30 बजे शुरू होकर 3:30 बजे तक चलेगी और **पहला चरण बंद कर दयिा जाएगा**।
 - SEBI ने बाजार पूंजीकरण के आधार पर शीर्ष 500 सूचीबद्ध इक्विटी शेयरों के लिये तीन कश्तों (200, 200, 100) में T+0 नपिटान के प्रारंभिक रोलआउट का प्रस्ताव दयिा है।
 - यह पहल बदलते भारतीय प्रतभूत बाजार के अनुरूप है, जो बढ़ती मात्रा, मूल्यों और प्रतभागियों द्वारा चहिनति है।

T+ 0 settlement: Sebi for 2 phase implementation

Phase 1

▶ Custodian clients, such as FPIs and certain institutional investors, will be kept out

▶ For trades until 1:30 pm, settlement to be done by 4:30 pm on the same day

▶ Exchanges will create a separate group or series for stocks under T+0

▶ To be available in tranches for top 500 firms by mcap

Phase 2

▶ All investors are likely to be permitted

▶ Shorter settlement to be available for trades until 3:30 pm

▶ Once phase 2 is implemented, phase 1 will be discontinued



UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

??????:

प्रश्न. भारत के संदर्भ में, नमिनलखिति पर वचिर कीजयि: (2010)

1. बैंकों का राष्ट्रीयकरण
2. कषेत्रीय ग्रामीण बैंकों का गठन
3. बैंक शाखाओं द्वारा गाँव का अभगिरहण

उपयुक्त में से कसिं भारत में "वत्तितीय समावेशन" प्राप्त करने के लयि उठाय़ा गया कदम माना जा सकता है?

- (a) केवल 1 और 2
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

??????:

प्रश्न. भारतीय अर्थव्यवस्था के विकास में एफ.डी.आई. की आवश्यकता की पुष्टि कीजयि । हस्ताक्षरति समझौता-ज्जापनों तथा वास्तवकि एफ.डी.आई. के

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/t-0-settlement-cycle>

